>

Title : Regarding Agricultural Science Centre in Motihari (Piprakothi) in Bihar.

श्री राधा मोहन सिंह (पूर्वी चम्पारण): महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के कृषि मंत्रालय का ध्यान चम्पारण के किसानों की समस्याओं की ओर ले जाना चाहता हूं। चम्पारण का इलाका कृषि प्रधान है। गन्ना एवं धान की उन्नत किस्मों के उत्पादन के लिए यह देश भर में मशहूर है। यहां की पूरी आबादी की जीविका कृषि पर आधारित है। किंतु दुर्भाग्य है कि गुलामी के दिनों में भी वहां के किसानों पर अंग्रेजों ने अत्याचार किया और आज जब हम आजाद हैं, तब अपनी ही सरकार की उपेक्षा के हम शिकार हो रहे हैं।

महोदय, इस क्षेत्र के पिपराकोठी स्थान पर आज से 6 वर्ष पहले कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना की गयी थी। 6 वर्ष बीत जाने के बाद भी वहां आज सिर्फ एक टीन का शेड बना हुआ है और इक्के-दुक्के कर्मचारी ही नजर आते हैं। अभी तक वहां अधिकारियों की समुचित व्यवस्था नहीं हो पायी है। वहां अधिकारी आवास का निर्माण होना चाहिए। किसानों के लिए ट्रेनिंग हाल के साथ ही प्रशासनिक भवन की भी आवश्यकता है। सेंट्रल नर्सरी एवं बीज उत्पादन की व्यवस्था की भी मैं मांग करता हूं।

महोदय, आपके माध्यम से भारत सरकार के कृषि मंत्रालय एवं आई.सी.ए.आर. से अनुरोध करना चाहूंगा कि वहां की इन समस्याओं का शीघ्र समाधान करे और इस विशाल परिसर के अंदर पक्की सड़कों का भी निर्माण कराया जाए। धन्यवाद।